I.A.S.E. Bilaspur

1. Name of the sm contributor – Dr. Mahalaxmi singh
2. Class and subject - B.ed. 2nd year pedagogy in hindi .
3. Unit - 4 rth

1. Topic . हिन्दी कविता शिक्षण के उद्देश्य , काव्य के भेद
2. Objective . हिन्दी कविता शिक्षण के उद्देश्य , काव्य के भेद को जानना
3. Cotente . हिन्दी कविता शिक्षण (पद्य , काव्य)
4. Point Of Evaluation -

(क) पद्य की विविध विधाओं / रूपों से परिचय –

• पद्य विधाओं का परिचय , कविता , पद , दोहों , के उदाहरणों से उनकी संरचना , विशेषताओं ए वं विकास को समझना।

(ख) पद्य विधाओं का शिक्षण –

• कविता को पढ़ना पढ़ाना (कविता को पढ़ना व सुनाना , कविता के संदर्भ , भाव , बिम्ब , सरोकार से जुड़ना , लय , गति , आरोह – अवरोह को समझना।

कविता शिक्षण – काव्य का अर्थ – दोष रहित गुण युक्त प्रायः अलंकृत परन्तु कभी कभी अनलंकृत शब्द और अर्थ को काव्य कहा जाता है – कविता को शब्दो में बांधना कठिन है।

कविता की परिभाषा –

1. कविराज जगन्नाथ के अनुसार – '' रसात्मकं वाक्यं काव्यं '' रस युक्त वाक्य ही काव्य है।
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार – कविता वह साधन है। जिसके द्वारा शेष सृष्टि के साथ हमारे रागात्मक संबंध की रक्षा होती है।
3. भारतेन्दु हरिशचन्द्र के अनुसार – कविता मूल में जीवन की आलोचना है।

काव्य का स्वरूप –

काव्य का स्वरूप सौन्दर्य पूर्ण है जैसे – भाव सौन्दर्य , कल्पना सौन्दर्य , विचार सौन्दर्य , भाषा सौन्दर्य।

1. भाव सौन्दर्य – इसके अन्तर्गत मानवीय भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति होती है। उदाहरण –
   देखी सुदामा की दीनदशा , करूणा करके करूणानिधि रोये।
   पानी परात को हाथ छुए नहीं , नैन के जल से पग धोये।।

2. कल्पना सौन्दर्य – कविता मे स्व/पर की भावना नहीं होती प्रकृति का मानवीय करण तथा संपूर्ण सृष्टि के प्रति प्रेम होता है।
   उदाहरण –
   चारू चन्द्र की चंचल किरणें , खेल रही हैं जल थल में ।
   स्वच्छ चान्दनी बिछी हुई है , अवनी और अम्बर तल में।।
3. विचार सौन्दर्य – इसके अन्तर्गत भावतत्व , कल्पनातत्व और विचारतत्व तीनों का ही मिलन होता है।
   उदाहरण –
   माला फेरत जुग गया , गया न मन का फेर ।
   कर का मनका डार के , मन का मनका फेर ।।
4. भाषा सौन्दर्य – शब्द , सस्वर लय गेयता , अर्थगम्यता आदि भाषा सौन्दर्य के अन्तर्गत आते है।
   उदाहरण –
   बुन्देले हरबोलो के मुख हमने सुनी कहानी थी।
   खूब लड़ी मर्दानी वह तो झॉसी वाली रानी थी।।

कविता शिक्षण के उद्देश्य –

1. विद्यार्थियों में सौन्दर्यात्मक भावना का विकास करना।
2. कविता को लयबद्ध गायन या पठन की क्षमता का विकास करना।
3. प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना का विकास करना।
4. भाव व शैली से छात्रों को परिचित कराना।
5. कल्पना शक्ति का विकास करना।
6. भावों की समीक्षा कर सकने की शक्ति का विकास करना।
7. आस पास के वातावरण की रमणीयता का बोध करने की शक्ति का विकास करना।
8. रस , छनद , अलंकार से परिचित कराना।
9. कविता की अनेकानेक शैलियों से अवगत कराना।
10. रचनात्मक शक्ति का विकास करना।
11. छात्रों में कविता के प्रति प्रेम उत्पन्न करना।

कविता शिक्षण की प्रणालियॉ –

1. गीत प्रणाली
2. अर्थबोध प्रणाली
3. व्याख्या प्रणाली
4. तुलना प्रणाली
5. व्यास प्रणाली
6. अभिनय प्रणाली
7. खण्डान्वय प्रणाली
8. समीक्षा प्रणाली
9. काव्य के भेद –

काव्य दो प्रकार के होते है – दृष्य और श्रव्य

This is not registered version of TotalDocConverter

काव्य

दृष्य श्रव्य

रूपक उपरूपक पद्य काव्य गद्य काव्य गद्यपद्यमय काव्य

1 नाटक नाटिका

2 प्रकरण त्रोटक कथा आख्यायिका चम्पू काव्य

3 भाण गोष्ठी

4 प्रहसन सदृक महाकाव्य खण्डकाव्य मुक्तककाव्य

5 डिम नाट्यरासक

6 व्यायोग प्रस्थानक

7 समवकार उल्लाप्य

8 बीथि काव्यप्रेंकड़

9 अंक रासक

10 ईहामृग संलापक

11 श्रीगधित

12 शिल्पक

13 विलासिका

14 दुर्मल्लिका

15 प्रकरणी

16 हल्लीश

17 भणिका